

पांच स्टेशनों के दस खाली भूखंडों पर पार्किंग सुविधा शुरू करने की योजना

# मेट्रो स्टेशनों के पास पार्किंग व्यवस्था विकसित करने पर विचार

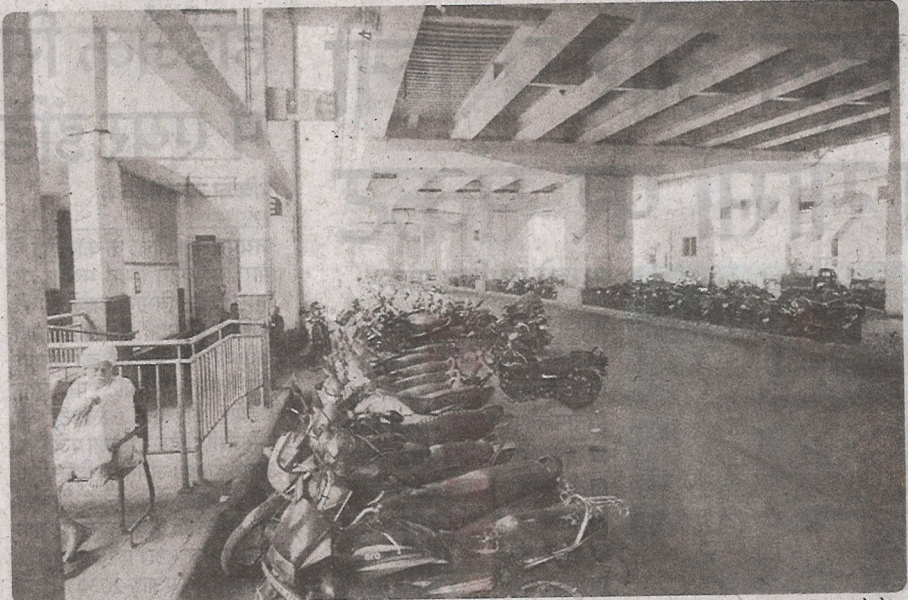
**3542 वाहनों की क्षमता विकसित करने का प्रस्ताव**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

अहमदाबाद, शहर में मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने और वहां से अपने गंतव्य तक जाने में सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अहमदाबाद महानगरपालिका (मनपा) मेट्रो स्टेशनों के आसपास पार्किंग व्यवस्था विकसित करने पर विचार कर रही है। इसके तहत शहर के 5 मेट्रो स्टेशनों के पास उपलब्ध 10 जगहों पर खाली भूखंडों पर पार्किंग सुविधा शुरू करने की योजना है। इन स्थानों पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग की जगह उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। हालांकि, योजना को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

## 5 मेट्रो स्टेशनों के पास पार्किंग की योजना

मनपा सूत्रों के अनुसार, 5 मेट्रो स्टेशनों के आसपास पार्किंग सुविधा विकसित करने के लिए खाली भूखंडों की पहचान की गई है। इनमें नवरंगपुरा और साबरमती मेट्रो स्टेशन में तीन-तीन, वस्त्राल में दो तथा एसपी स्टेडियम और रामोल स्टेशन के पास एक-एक स्थान शामिल हैं। इन स्थानों पर कुल 3342 दोपहिया और 200 कार-जीप खड़े किए जा सकेंगे। इस तरह प्रस्तावित व्यवस्था के तहत कुल 3542 वाहनों के लिए पार्किंग क्षमता विकसित करने की योजना है।  
**ठेके पर संचालन का प्रस्ताव:** योजना के तहत संबंधित भूखंडों को ठेके पर देकर पार्किंग व्यवस्था



रवारी कॉलोनी मेट्रो स्टेशन का पार्किंग स्थल।

(फाइल फोटो)

## बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का उद्देश्य

मेट्रो स्टेशनों के पास पार्किंग व्यवस्था विकसित करने का प्रस्ताव आया है। इस संबंध में आगामी दिनों में निर्णय लिया जाएगा। मनपा का प्राथमिक उद्देश्य नागरिकों को यातायात और पार्किंग की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

**कमलेश पटेल**, अध्यक्ष, स्थायी समिति, अहमदाबाद मनपा

## शुल्क, क्रियान्वयन पर निर्णय बाकी

पार्किंग व्यवस्था विकसित करने का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है। पार्किंग शुल्क, ठेके की शर्तों और व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया को लेकर अंतिम निर्णय होना बाकी है।

## यात्रियों को मिलेगी सुविधा...

मेट्रो स्टेशनों के आसपास व्यवस्थित पार्किंग विकसित होने से निजी वाहन से स्टेशन तक पहुंचने वाले यात्रियों को सहूलियत मिल सकती है। दोपहिया वाहन से स्टेशन आने वाले नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और अन्य नियमित यात्रियों को वाहन खड़ा करने के लिए उपयुक्त जगह मिल

सकेगी। इसके अलावा, स्टेशन के आसपास सड़क किनारे या अन्य अनुपयुक्त स्थानों पर वाहन खड़े करने की समस्या कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। इससे स्टेशन के आसपास यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में भी सहायता मिल सकती है।